परहयाले ओडयिन

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

ओडिशा के बरहमपुर विश्ववविद्यालय के शोधकर्त्ताओं ने **चिल्का झील** में **समुद्री** एम्फिपोड की एक नई प्रजाति की खोज की। ओडिशा की मूल भाषा, जो कि उड़िया है, के नाम पर इसका नाम **परहयाले ओडयिन (Parhyale Odian)** रखा गया है।

एम्फिपोड क्या हैं?

- एम्फिपोड्स **क्रस्टेशिआई मैलाकोस्ट्रैकन (Malacostracan Crustaceans)** का एक विविध समूह है जिसका अर्थ है कि उनमें **केकड़ों (क्रैब), लॉबस्टर और श्रिम्प (Shrimp)** के समान कुछ विशेषताएँ होती हैं।
- उनका शरीर पार्श्व रूप से संकुचित होता है जिसका अर्थ है कि वे शरीर के दोनों ओर से चपटे होते हैं तथा शरीर का आकार घुमावदार होता है।
  - व्हेल और डॉल्फिन के शरीर पर पाए जाने वाले **व्हेल लाइस** (जूँ) वास्तव में एक प्रकार के एम्फिपोड हैं।
- एम्फिपोड, जिनमें **परहयाले वंश (Genus)** भी शामिल है, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
  - वे समुद्री खाद्य शृंखला में योगदान करते हैं और **जलवायु परिवर्तन के प्रभाव** तथा तटीय पारिस्थितिकि तंत्र के स्वास्थ्य का अध्ययन करने के लिये संकेतक के रूप में कार्य करते हैं।
- वर्ष 2023 में शोधकर्त्ताओं ने तीन नए समुद्री एम्फिपोड की खोज की जिनमें पश्चिम बंगाल तट पर खोजा गया **तालोरचेस्टिया ब्यूनसिस** (Talorchestia buensis) और चिल्का झील में खोजे गए **क्वाड्रिविसियो चिलिकेंसिस** (Quadrivisio chilikensis) तथा **डेमोरचेस्टिया एलानेंसिस** (Demaorchestia alanensis) शामिल हैं।

जीनस परहयाले और परहयाले ओडयिन की विशेषताएँ क्या हैं?

- **जीनस परहयाले:**
  - विश्व भर में जीनस परहयाले जीनस की 15 प्रजातियाँ हैं। इसकी खोज सबसे पहले वर्ष 1899 में वर्जिन आइलैंड्स (US) में हुई थी।
    - वर्तमान योगदान (खोज) से जीनस परहयाले समूह में एक और प्रजाति जुड़ गई है, जिससे समूह में वैश्विक प्रजातियों की संख्या 16 हो गई है।
  - **ये उभयचर समुद्री और** लवणीय जल **दोनों वातावरणों में रहते हैं।**
  - ये विश्वव्यापी हैं, उष्णकटिबंधीय और उष्ण-समशीतोष्ण क्षेत्रों में अंतर-ज्वारीय तथा तटीय वातावरण में पाए जाते हैं।
    - ये आमतौर पर पत्थरों के नीचे संलग्न वनस्पति के साथ या आइसोपॉड के बिल में पाए जाते हैं।
- **परहयाले ओडयिन:**
  - यह जीनस **परहयाले** का झींगा-जैसा **क्रस्टेशियन** है।
  - इसका रंग भूरा है, इसकी लंबाई लगभग 8 मिलीमीटर है और इसके **13 जोड़े पाद** हैं।
  - ये **अग्रपादों की पहली जोड़ी** का प्रयोग शिकार को पकड़ने और खाने के लिये करते हैं।
  - जीनस के अन्य 15 ज्ञात प्रजातियों के विपरीत, परहयाले ओडयिन **सख्त दृढ सेटा (Stout Robust Seta)** – Male Gnathopod या मेल नैथोपोड (पैरों की पहली जोड़ी) की सतह पर एक मेरुदंड जैसी संरचना के कारण विशिष्ट दिखता है।

[//](#)

नोट: [**चिल्का झील**](#) एशिया की **सबसे बड़ी खारे पानी की लैगून** है साथ ही विश्व की **दूसरी सबसे बड़ी तटीय लैगून** है।

- यह भारत के पूर्वी तट पर दया नदी के मुहाने पर स्थित है, जो बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
- अपनी समृद्ध जैवविविधता के कारण, चिल्का झील वर्ष 1981 में [**रामसर अभिसमय**](#) के तहत नामित होने वाली **अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व** की प्रथम भारतीय आर्द्रभूमि थी।
- असामान्य जल-वैज्ञानिक विविधता चिल्का झील को एक **झील, मुहाना एवं लैगून** की विशेषताएँ प्रदान करती है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन-सा एक आहार श्रृंखला का सही क्रम है? (2014)

(a) डायटम-क्रस्टेशियाई-हेरिंग
(b) क्रस्टेशियाई-डायटम-हेरिंग
(c) डायटम-हेरिंग-क्रस्टेशियाई
(d) क्रस्टेशियाई-हेरिंग-डायटम

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/current-affairs-news-analysis-editorials/prelims-facts/27-02-2024/print